ब्रेन इंटरनेशनल स्कूल

विषय - हिंदी **कक्षा - छह** **अभ्यास पत्र दिसंबर (2024-2025)**

प्रश्न 1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ज्ञान वृद्धि और आनंद की प्राप्ति का एक प्रमुख साधन अध्ययन है। वह आत्म-संस्कार के विधान का एक अंग है। किसी जाति के साहित्य में गति प्राप्त करने का कोई और द्वार नहीं है। किसी जाति के भाव और विचार साहित्य में ही व्यक्त रहते हैं तथा उसी में उसकी उन्नति के क्रम का लेख रहता है। मनुष्य जाति के सुख और कल्याण के विषय में संसार में प्रतिभा व सम्पन्न लोगों ने जो सिद्धांत स्थिर किए हैं उन्हें जानने का साधन स्वाध्याय ही है। जो पढ़ता नहीं है, उसे इस बात की खबर ही नहीं रहती कि मनुष्य की ज्ञान परंपरा किस सीमा तक पहुँच चुकी है। वह और यह जानता ही नहीं कि मनुष्य के श्रम से एक मार्ग तैयार हो चुका है।

i) **अध्ययन का मुख्य उद्देश्य क्या है?**
क) धन कमाना ख) आत्म-संस्कार उत्पन्न करना
ग) ज्ञान वृद्धि और आनंद प्राप्त करना घ) मनोरंजन करना

ii) **आत्म-संस्कार के विधान का कौन सा अंग है?**
क) खेल ख) संगीत ग) अध्ययन घ) कला

iii) **मनुष्य जाति के भाव और विचार कहाँ व्यक्त हैं?**
क) विज्ञान में ख) साहित्य में ग) इतिहास में घ) धर्मग्रंथों में

iv) **जो व्यक्ति अध्ययन नहीं करता, उसे क्या जानकारी नहीं होती?**

v) **किसी जाति के साहित्य में गति प्राप्त करने का क्या महत्त्व है?**

प्रश्न 2. निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

i) दिए गए वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य पुनः लिखिए।

क) बच्चो को साफ-सफाई का ध्यान रखनी चाहिये।

ख) अध्यापक ने हमसे कहा की समय पर आओ।

ग) यह काम तुम्हार लिये आसान हैं।

घ) मेले में बच्चा खो गई।

ii) दिए गए शब्दों के दो -दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

पेड़ , जल, कर्ण, शरीर

प्रश्न 3. निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

विविध बोलियों के लोक-साहित्य और लोकगीतों के संग्रह पर कमर बाँधी है और इस प्रकार के अनेक संग्रह अब तक प्रकाशित भी हो गए हैं। लोकगीतों के कई प्रकार हैं। इनका एक प्रकार तो बड़ा ही ओजस्वी और सजीव है। यह इस देश के आदिवासियों का संगीत है। मध्य प्रदेश, दकन, छोटा नागपुर में गोंड-खांड, ओराँव-मुंडा, भील-संथाल आदि फैले हुए हैं, जिनमें आज भी जीवन नियमों की जकड़ में बँध न सका और निर्द्वंद्व लहराता है। इनके गीत और नाच अधिकतर साथ-साथ और बड़े-बड़े दलों में गाए और नाचे जाते हैं। बीस-बीस, तीस-तीस आदमियों और औरतों के दल एक साथ या एक-दूसरे के जवाब में गाते हें, दिशाएँ गूँज उठती हैं। पहाड़ियों के अपने-अपने गीत हैं। उनके अपने-अपने भिन्न रूप होते हुए भी अशास्त्रीय होने के कारण उनमें अपनी एक समान भूमि है। गढ़वाल, किन्नौर, काँगड़ा आदि के अपने-अपने गीत और उन्हें गाने की अपनी-अपनी विधियाँ हैं।

उनका अलग नाम ही 'पहाड़ी' पड़ गया है।

वास्तविक लोकगीत देश के गाँव और देहातों में हैं। इनका संबंध देहात की जनता से है। बड़ी जान होती है इनमें।

i. लोकगीत किनका संगीत है?

(क) आदिवासियों का (ख) ग्रामीणों का

(ग) शहरी सभ्य लोगों का (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

ii. निम्न में से किस जगह के लोकगीत का नाम 'पहाड़ी' पड़ गया है?

(क) कांगड़ा (ख) मिजोरम (ग) आंध्र प्रदेश (घ) तमिलनाडु

iii. हमारे देश का वास्तविक लोकगीत कहाँ के लोकगीत को कहते हैं?

(क) पहाड़ के (ख) गाँव और देहात के

(ग) शहरों के (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

iv. आदिवासी गीतों में कौन-सा तत्व प्रमुख है?

क) धार्मिकता ख) सामूहिकता और ऊर्जा ग) शास्त्रीयता घ) आधुनिकता

प्रश्न 4.निम्न प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में दीजिए।

क) स्त्रियों द्वारा गाए जाने वाले लोकगीतों की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

ख) बुंदेलखंडी गीतों के बारे में 'लोकगीत' निबन्ध में क्या बताया गया है?

प्रश्न 5. नगर पालिका परिषद के मुख्य अधिकारी को सड़क की मरम्मत करवाने के लिए पत्र लिखिए ।